
Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
ARJUN BATCH
11th History
बाबर साम्राज्य
मंगोल साम्राज्य का गठन
Chapter-3 | Part-2

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

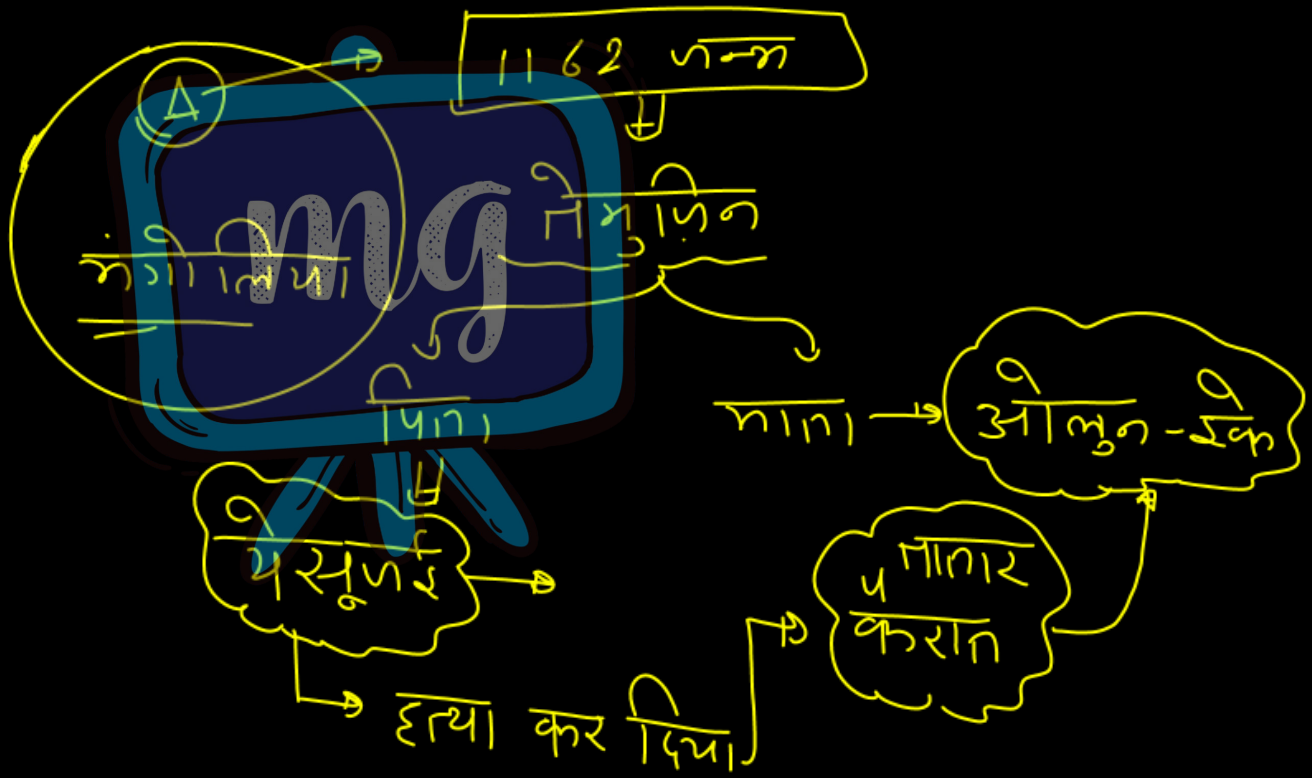


1. मंगोल साम्राज्य का गठन
2. चंगेज़ खान का जीवन-वृत्त

Under CSR Support by
ipca | Foundation

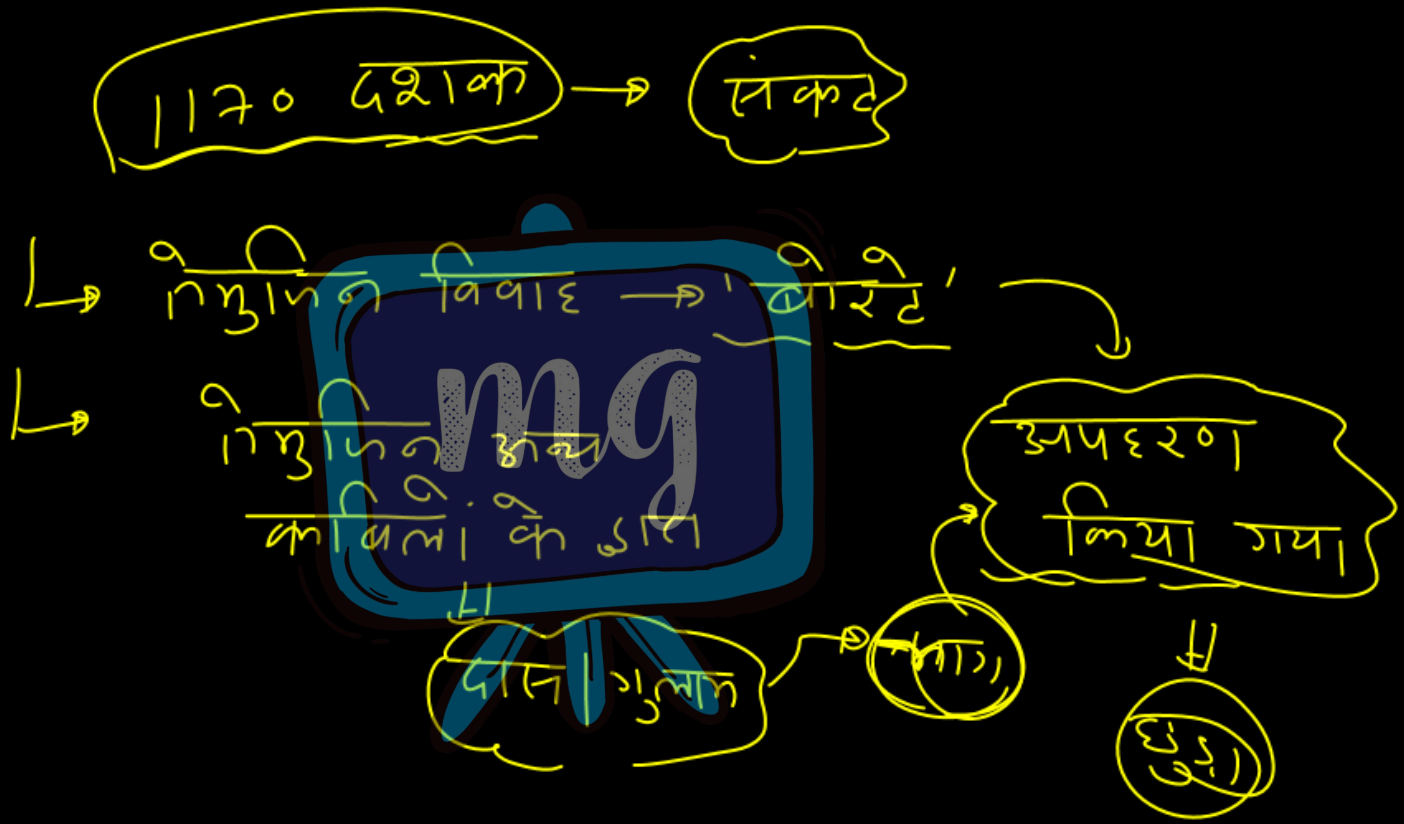
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चंगेज खान का जीवनवृत



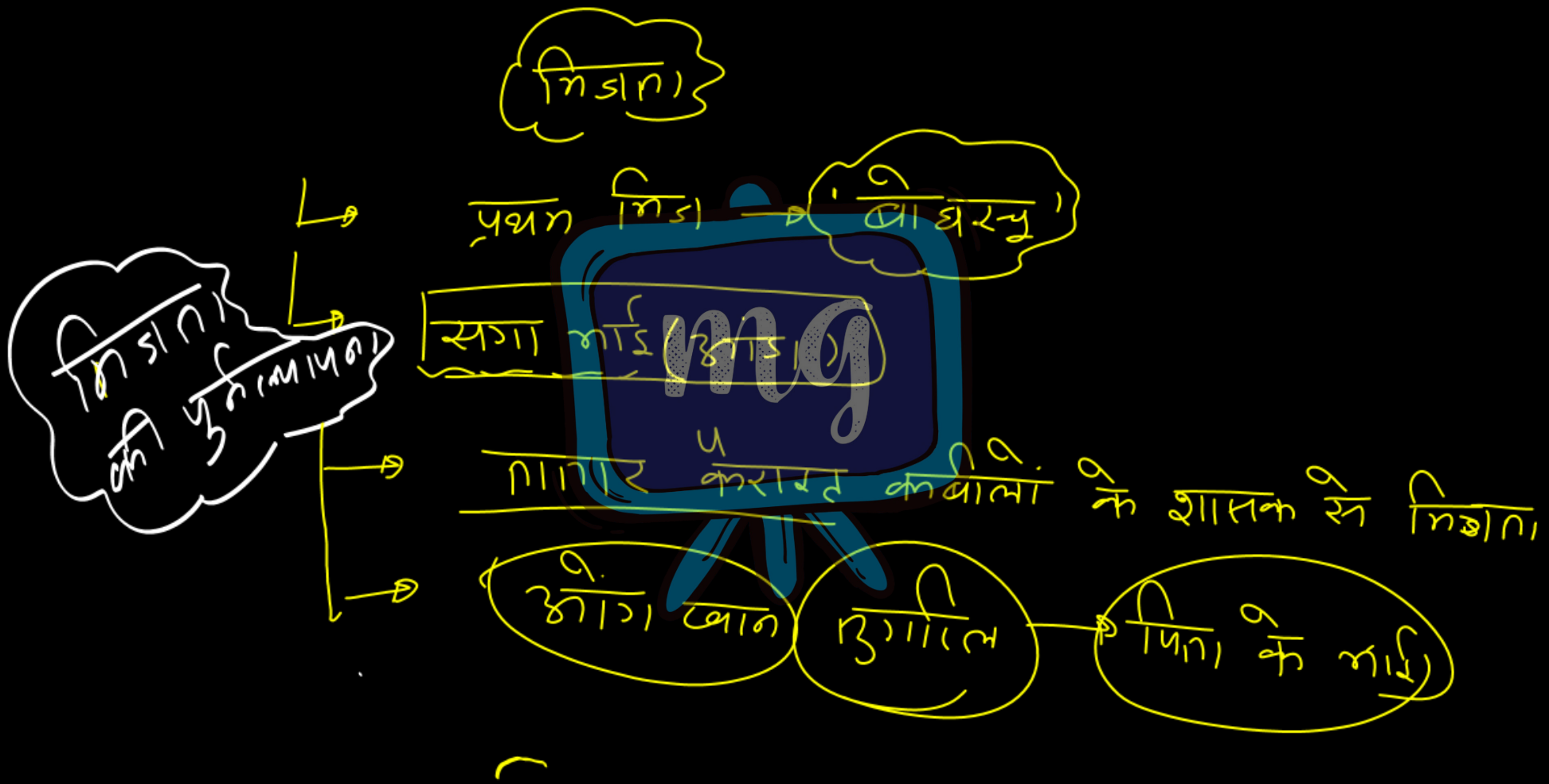
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



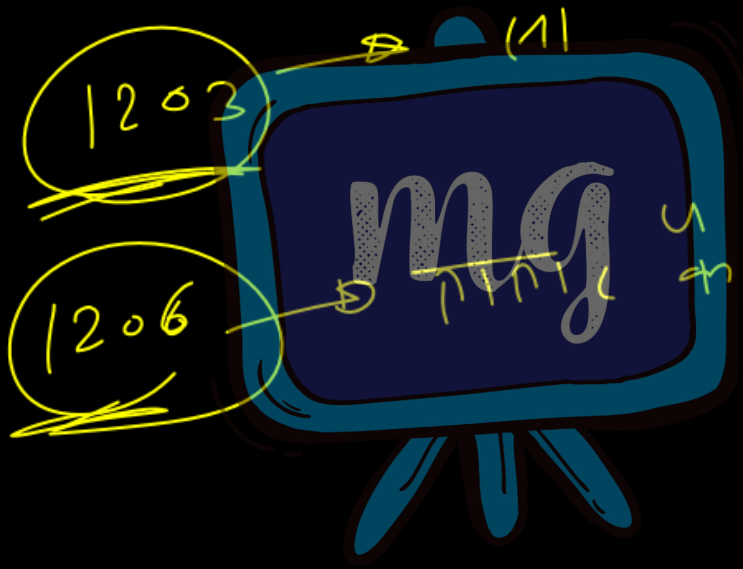
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



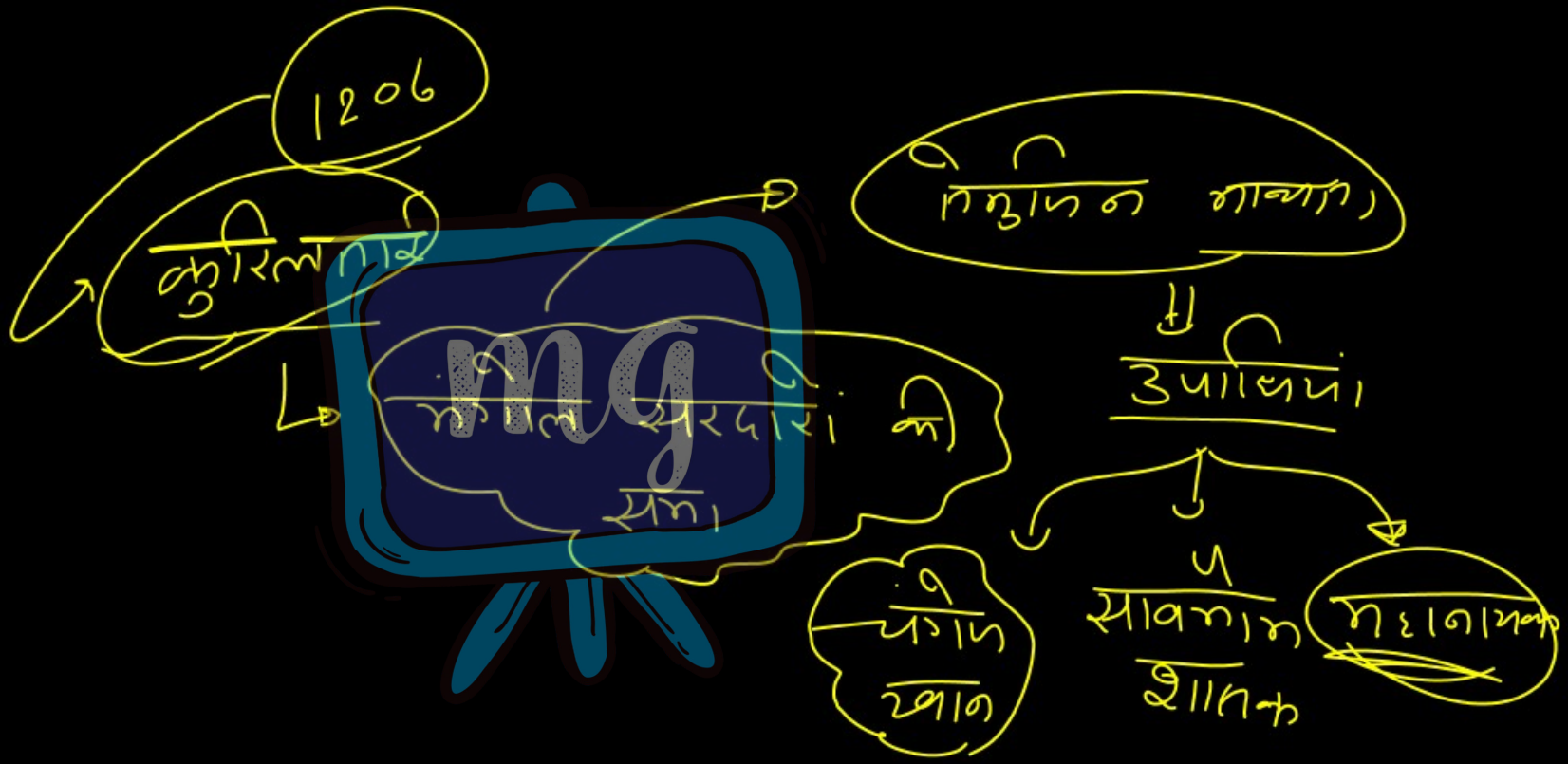
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




Under CSR Support by
ipca Foundation
missiongyan
मॉस्को
रूसी सामंत देश
मंगोलिया
मंगोल साम्राज्य
कराकोरम
काला सागर
बाइज़ेंटाइन साम्राज्य
श्वेत सागर
ह्वांगज़ाओ
तुर्फ़ान
ताशकंद
बुख़ारा
समरकंद
मर्व
निशापुर
बल्ख़
हिरात
चीन
भूमध्यसागर
बगदाद
फ़ारस
तिब्बत
दिल्ली
ओर्मुज़
फ़ारस की खाड़ी
हिमालय पर्वत श्रृंखला
गुआंगज़ाओ
अरब
लाल सागर
भारत
बर्मा
अरब सागर
बंगाल की खाड़ी
हिंद महासागर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मंगोल इतिहास की जानकारी के स्त्रोत

1. बोरिस याकोवालेविच् डिमीरस्टॉव → मंगोल भाषाओं, उनके समाज और संस्कृति पर शोध ने किया।
2. बारटोल्ड → चंगेज़ खान और उसके वंशजों के अधीन मंगोलों का जीवन का विवरण दिया।
3. मंगकोल-उन-न्यूतोबिअन → चंगेज़ खान के विषय में सबसे प्राचीन विवरण, जो मंगोल और चीनी भाषा में मिलते हैं।
4. मार्कोपोलो → मंगोल राजदरबार का यात्रावृत्तांत लिखा गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भूमिका

- तेरहवीं शताब्दी के प्रारंभिक दशकों में मध्य-एशिया के स्टेपी-प्रदेश में एक नयी राजनैतिक शक्ति का अभ्युदय हुआ।
- चंगेज़ खान (मृत्यु 1227) ने मंगोलों को संगठित किया।
- मध्य-एशिया के स्टेपी-प्रदेश मंगोल जातियों का महासंघ था।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- एक फ़ारसी इतिवृत्तकार जुवैनी ने 1220 ई. में बुखारा की विजय का वृत्तांत दिया है।
- चंगेज़ खान के वंशजों ने इस क्षेत्र से और आगे जाकर दुनिया के सबसे विशाल साम्राज्य का निर्माण किया।
- चंगेज़ खान के पोते, मोन्के (1251-60) ने फ्रांस के शासक लुई नौवें (1226-70) को चेतावनी दी।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- चंगेज़ खान के दूसरे पोते बाटू (Batu) ने अपने 1236-1241 के अभियानों में रूस की भूमि को मास्को तक रौंद डाला।
- उसने पोलैंड, हंगरी पर विजय प्राप्त की।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

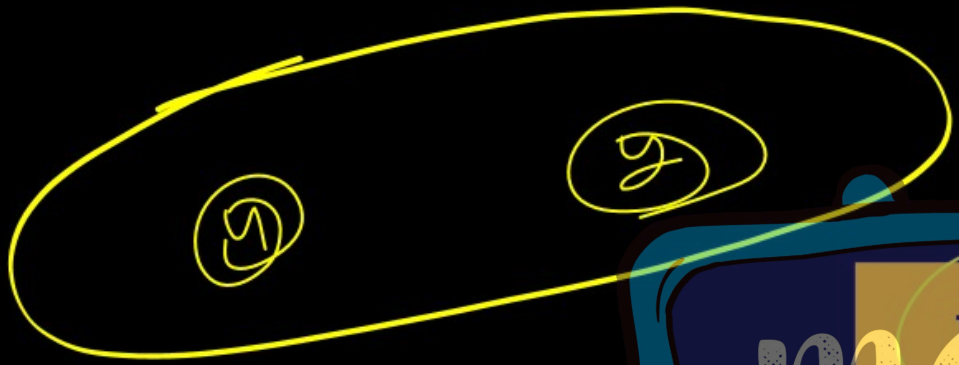
मंगोलों की सामाजिक और राजनैतिक पृष्ठभूमि

मंगोल विविध जनसमुदाय का एक निकाय था।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मंगोल

पूर्व

तातार, खितान और मंचू लोग

पश्चिम

तुर्की कबीले

भाषागत समानता

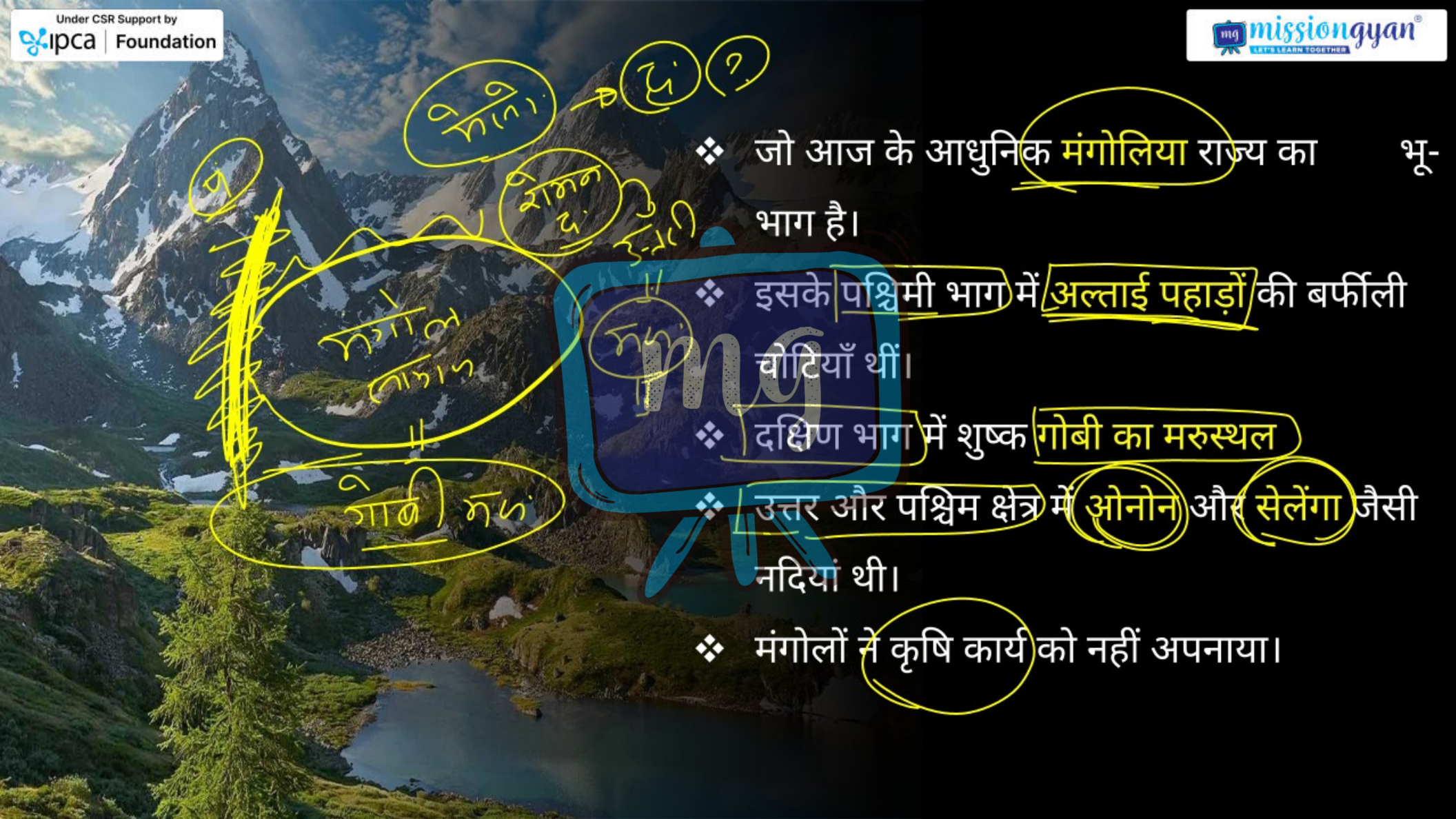
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- कुछ मंगोल पशुपालक थे
- कुछ शिकारी संग्राहक थे।
- घोड़ों, भेड़ों और अन्य पशुओं जैसे बकरी और ऊँटों को भी पालते थे।
- उनका यायावरीकरण मध्यएशिया की चारण भूमि (स्टेपीज) में हुआ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

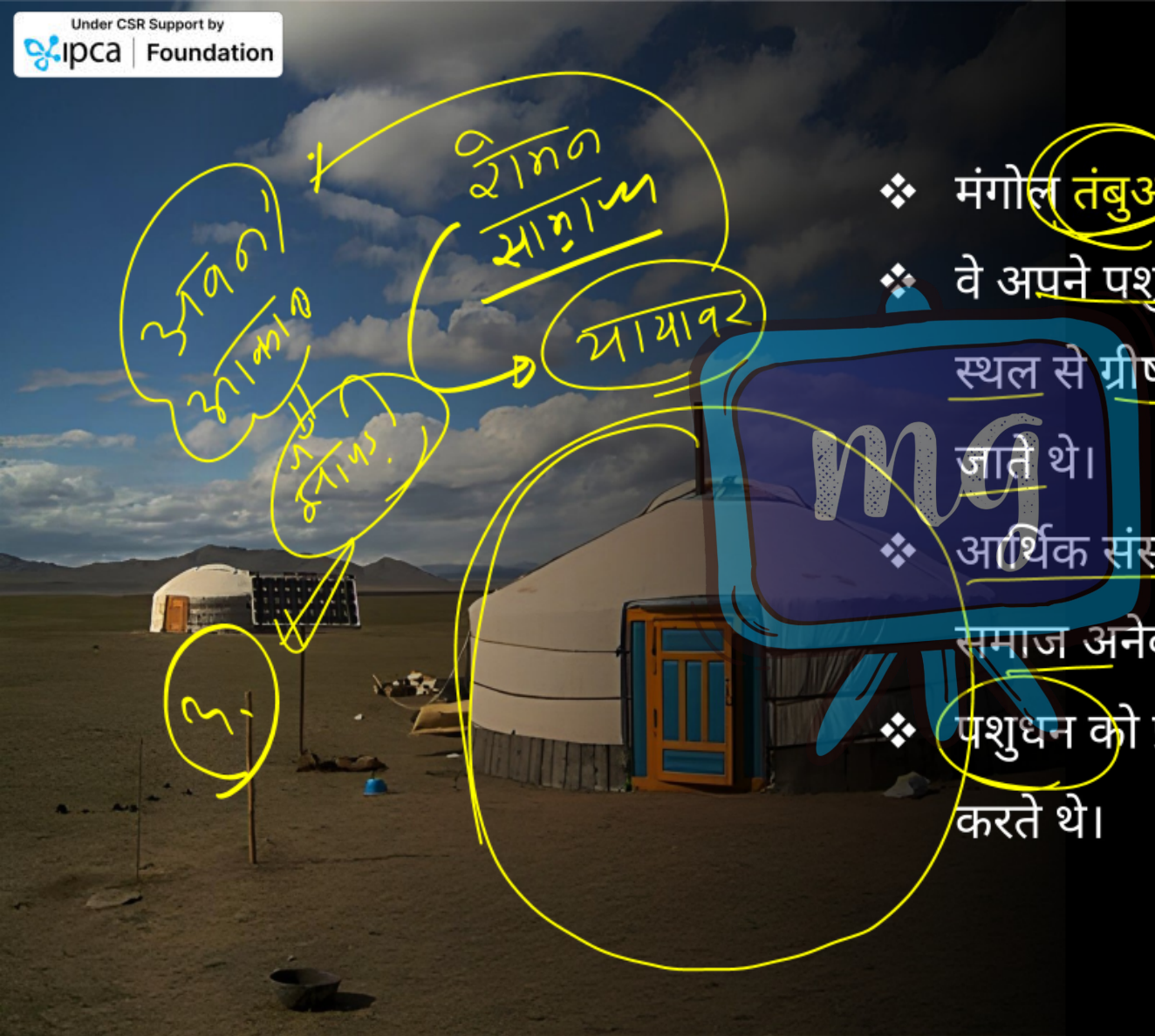
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- जो आज के आधुनिक मंगोलिया राज्य का भू-भाग है।
- इसके पश्चिमी भाग में अल्ताई पहाड़ों की बर्फीली चोटियाँ थीं।
- दक्षिण भाग में शुष्क गोबी का मरुस्थल
- उत्तर और पश्चिम क्षेत्र में ओनोन और सेलेंगा जैसी नदियां थी।
- मंगोलों ने कृषि कार्य को नहीं अपनाया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

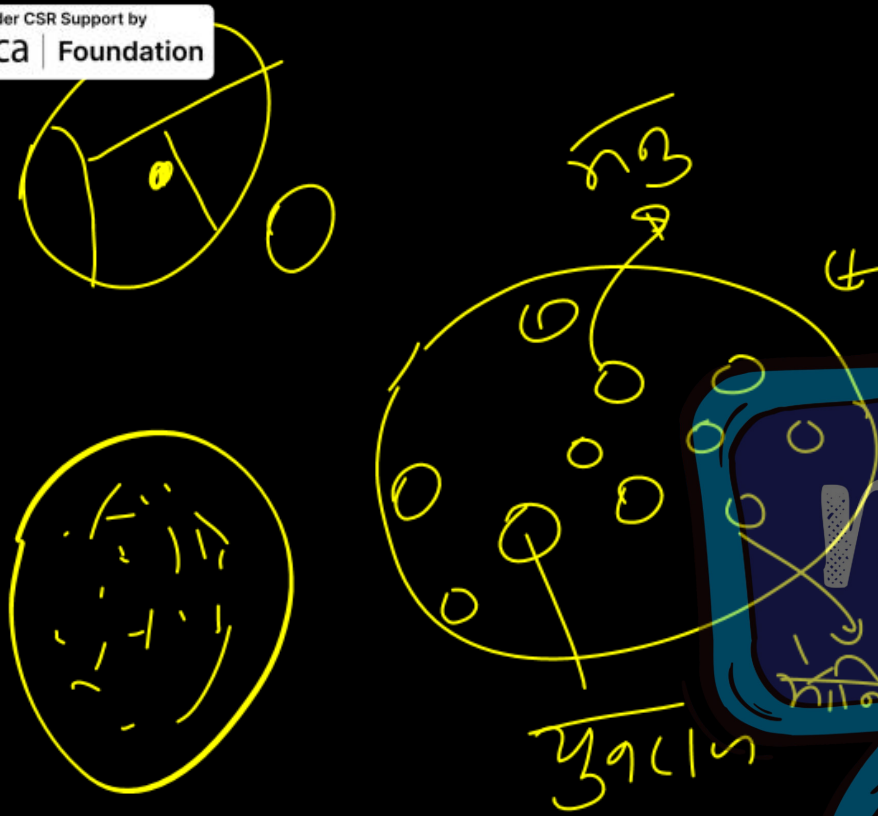
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- मंगोल तंबुओं और जरों में निवास करते थे।
- वे अपने पशुधन के साथ शीतकालीन निवास स्थल से ग्रीष्मकालीन चारण भूमि की ओर चले जाते थे।
- आर्थिक संसाधनों में कमी होने के कारण उनका समाज अनेक पितृपक्षीय वंशों में विभाजित था।
- पशुधन को प्राप्त करने के लिए वे लूटपाट भी करते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- वे अपनी रक्षा करने हेतु अधिक शक्तिशाली कुलों से मित्रता करके परिसंघ बना लेते थे।
- मंगोल और तुर्की कबीलों को मिलाकर चंगेज़ खान द्वारा एक परिसंघ बनाया गया।
- चंगेज़ खान की राजनीतिक व्यवस्था बहुत अधिक स्थायी रही।
- यह व्यवस्था चीन, ईरान और पूर्वी यूरोपीय देशों की सेनाओं का मुकाबला करने में सक्षम थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- स्टेपी क्षेत्र में संसाधनों की कमी थी।
- इसलिए मंगोलों और मध्य एशिया के यायावरों को व्यापार और वस्तु-विनिमय के लिए उनके पड़ोसी चीन के स्थायी निवासियों के पास जाना पड़ता था।
- यायावर कबीले खेती से प्राप्त उत्पादों और लोहे के उपकरणों को चीन से लाते थे।
- वे घोड़े, फ़र और स्टेपी में पकड़े गए शिकार का विनिमय करते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- चीन को इन यायावरों से विभिन्न शासन-कालों में बहुत अधिक क्षति पहुँची।
- आठवीं शताब्दी ई.पू. से अपनी प्रजा की रक्षा के लिए चीनी शासकों ने किलेबंदी करना प्रारंभ कर दिया था।
- तीसरी शताब्दी ई.पू. से इन किलेबंदियों का एकीकरण सामान्य रक्षात्मक ढाँचे के रूप में किया गया
- जिसे आज 'चीन की महान दीवार' के रूप में जाना जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



चंगेज़ खान का जीवन-वृत्त

- जन्म – 1162 ई.
- स्थान – आधुनिक मंगोलिया के उत्तरी भाग में ओनोन नदी के निकट
- प्रारंभिक नाम – तेमुजिन
- पिता – येसूजेई (कियात कबीले का मुखिया)
- माता – ओलुन-इके
- पत्नी – बोरटे
- कुल – बोरजिगिद

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चंगेज़ खान का जीवन-वृत्त

- उपाधि – चंगेज़ खान, 'समुद्री खान' या 'सार्वभौम शासक'
- प्रथम मित्र – बोघूरचू
- सगा भाई (आंडा) – जमूका
- मृत्यु – 1227



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- तेमुजिन ने कैराईट लोगों के शासक व अपने पिता के भाई तुगरिल उर्फ ओंग खान के साथ रिश्तों की पुनर्स्थापना की।
- इस मित्रता का इस्तेमाल जमूका को परास्त करने के लिए किया।
- 1206 में जमूका और नेमन लोगों को निर्णायक रूप से पराजित किया।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- स्टेपी-क्षेत्र की राजनीति में सबसे प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में उभरा।
- 1206 ई. में कुरिलताई से मान्यता मिली।
- उसे चंगेज खान, 'समुद्री खान' या 'सार्वभौम शासक' की उपाधि के साथ मंगोलों का महानायक घोषित किया गया।
- उसने मंगोलों को एक सशक्त अनुशासित सैन्य-शक्ति के रूप में पुनर्गठित किया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- चीन उस समय तीन राज्यों में विभक्त था–
  1. उत्तर-पश्चिमी प्रांतों के तिब्बती मूल के सी-सिआ लोग।
  2. जरचेन लोगों के चिन राजवंश जो पेकिंग से उत्तरी चीन क्षेत्र का शासन चला रहे थे।
  3. शुंग राजवंश जिनके आधिपत्य में दक्षिणी चीन था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- 1209 – सी-सिआ लोग परास्त।
- 1213 – चीन की महान दीवार पर अतिक्रमण।
- 1215 – पेकिंग नगर को लूटा।
- चिन वंश के विरुद्ध 1234 तक लंबी लड़ाइयाँ चलीं।
- 1218 ई. में करा खिता की पराजय के बाद मंगोलों का साम्राज्य अमू दरिया, तुरान और ख्वारज़म राज्यों तक विस्तृत हो गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- 1219 और 1221 ई. तक के अभियानों में ओट्रार, बुखारा, समरकंद, बल्ख, गुरगंज, मर्व, निशापुर और हेरात ने मंगोल सेनाओं के सम्मुख समर्पण कर दिया।
- मंगोल सेनाएँ सुल्तान मोहम्मद का पीछा करते हुए अज़रबैजान तक चली आई।
- सेना की दूसरी टुकड़ी ने सुल्तान के पुत्र जलालुद्दीन का अफ़गानिस्तान और सिंध प्रदेश तक पीछा किया।